

अब्राहम एकाॅर्ड के तीन वर्ष

यह एडिटरियल 21/09/2023 को 'द हट्टि' में प्रकाशित "Three years of the Abraham Accords" लेख पर आधारित है। इसमें भारतीय संदर्भ में अब्राहम एकाॅर्ड की प्रासंगिकता पर विशेष बल देते हुए उससे जुड़ी उपलब्धियों एवं बाधाओं के बारे में चर्चा की गई है।

प्रलिस के लयः

[I2U2](#), [अब्राहम एकाॅर्ड](#), [पश्चमऱशयऱई कवाड](#), [प्रोस्पेरऱटी ग्रऱन एंड ब्लू एग्रऱमेंट](#), [यमन युद्ध](#)।

मेन्स के लयः

[भारत से संबन्धऱतऱ और/या भारत के हऱतऱं को प्रभावऱतऱ करने वऱले द्वऱपऱकषऱय, कषेऱऱय और वैश्वऱके समूह एवं समझौते, भारत के हऱतऱं पर देशों की नीतऱयऱं और रऱजनीतऱ कऱ प्रभाव, भारतीय प्रवऱसी](#)।

तीन वर्ष पूर्व सऱतऱंबर, 2020 में संयुक्त रऱज्य अमेरऱकऱ ने संयुक्त अरब अमीरऱत, बहरीन और इजऱरऱइल के बीच अब्राहम एकाॅर्ड (Abraham Accord) की मध्यस्थऱतऱ की थी, जसऱमें अरब के खऱडी देशों और इजऱरऱइल के बीच संबन्धों को सऱमऱन्य बनऱने कऱ वऱदऱ कऱयऱ गऱयऱ थऱ।

अब्राहम एकाॅर्ड ने न केवल मध्य पूर्व में अधऱकऱ रऱजनीतऱकऱ, आर्थऱकऱ और सुरकषऱ ँकीकरण की शुरुऱतऱ की, बल्कऱ भारत के लयऱ भी बेहतर अवसरों की संभवऱनऱ उत्पन्न की है।

'अब्राहम एकाॅर्ड' (Abraham Accords):

परचऱयः

- [अब्राहम एकाॅर्ड](#) इजऱरऱइल और वऱभिन्न अरब देशों के बीच वर्ष 2020 में हस्तऱकषरऱतऱ समझौतों की ँक शृंखलऱ है, जो मध्य-पूर्व में रऱजनयऱकऱ संबन्धों में ँक ँतऱहऱसऱकऱ बदलऱव कऱ प्रतीक है।
- यहूदऱयऱं और अरबों के कथऱतऱ सऱमऱन्य पूर्वज 'अब्राहम' (बऱइबलऱ कऱ अब्राहम यऱ इब्रऱहीम) और भऱईचऱरे की अभवऱयऱकऱतऱके संदर्भ में इन समझौतों को 'अब्राहम एकाॅर्ड' कऱ नऱम दऱयऱ गऱयऱ।

अब्राहम एकाॅर्ड से संलग्न प्रऱथमऱकऱ देशः

- [इजऱरऱइल](#): समझौते के ँक प्रमुख पक्षकऱर के रूप में इजऱरऱइल ने भऱगीदऱर अरब देशों के सऱथ रऱजनयऱकऱ संबन्धों को सऱमऱन्य बनऱने पर सहमतऱ वऱकऱतऱ की, जो कऱ वऱभिन्न अरब देशों के सऱथ उसके ँतऱहऱसऱकऱ रूप से शतरुतऱपूर्ण संबन्धों से ँक महत्त्वपूर्ण प्रस्थऱन को चहऱनऱतऱ करतऱ है।
- [संयुक्त अरब अमीरऱत \(UAE\)](#): संयुक्त अरब अमीरऱत पहलऱ अरब देश थऱ जसऱने ँपचऱरऱकऱ रूप से अब्राहम एकाॅर्ड के तहत इजऱरऱइल के सऱथ संबन्धों को सऱमऱन्य बनऱने की घऱषणऱ की थी। इस ँतऱहऱसऱकऱ समझौते में पूर्ण रऱजनयऱकऱ संबन्धों की स्थापनऱ के सऱथ-सऱथ आर्थऱकऱ, प्रऱदुयऱगऱकऱय और सऱंसकृतऱकऱ ँदऱन-प्रदऱन भी शऱमलऱ है।
- [बहरीन](#): संयुक्त अरब अमीरऱत कऱ अनुसरण करते हुए बहरीन ने भी इजऱरऱइल के सऱथ इसी तरह के ँक समझौते पर हस्तऱकषरऱ कऱयऱ है। 'बहरीन-इजऱरऱइल शऱंतऱ समझौते' में रऱजनयऱकऱ संबन्ध और वऱभिन्न कषेऱऱरों में सहयऱग जैसे वषऱय शऱमलऱ हैं।
- [सूडऱन](#): सूडऱन भी इजऱरऱइल के सऱथ संबन्धों को सऱमऱन्य बनऱने पर सहमतऱ जऱतऱते हुए अब्राहम एकाॅर्ड में शऱमलऱ हुऱऱ है। इसने सूडऱन की वऱदऱश नीतऱतऱ में ँक बडे बदलऱव को चहऱनऱतऱ कऱयऱ और इसके प्रभाव में सूडऱन को ँतऱंकवऱद के रऱज्य प्रऱयऱजकों की अमेरऱकी सूची से बऱहर कर दऱयऱ गऱयऱ।
- [मोरक्को](#): ँक अन्य अरब रऱषऱटर मोरक्को भी इजऱरऱइल के सऱथ संबन्धों को सऱमऱन्य बनऱने की प्रतऱबऱद्धतऱ के सऱथ समझौते में शऱमलऱ हुऱऱ। इस समझौते में इजऱरऱइल के सऱथ मोरक्को की भऱगीदऱरी के बदले संयुक्त रऱज्य अमेरऱकऱ दऱवऱरऱ पश्चऱमी सहऱरऱ पर मोरक्को की संप्रभुतऱ को मऱन्यतऱ प्रदऱन की गई।

एकाॅर्ड कऱ महत्त्वः

- यह समझौतऱ दखऱतऱ है कऱ कऱसऱ प्रकार अरब देश धऱरे-धऱरे स्वयं को फलऱसऱतऱन के सवल से पृथक कर रहे हैं।

- समझौते से इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित होंगे जिसका पूरे क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- इस सौदे से संयुक्त अरब अमीरात को अमेरिका में व्यापक साख प्राप्त हुई है, जहाँ यमन युद्ध में भागीदारी के बाद अमेरिका में उसकी छवि खराब हो गई थी।
- दक्षिण एशिया में, यह पाकिस्तान के लिये एक दुविधा उत्पन्न करता है कविह भी संयुक्त अरब अमीरात का अनुसरण करे (जहाँ फरि इसे फलिसितीन के 'इस्लामी कॉज' को छोड़ने के रूप में देखा जाएगा) या उसका अनुसरण न करे (जहाँ फरि एक अन्य प्रमुख इस्लामी देश संयुक्त अरब अमीरात से उसके संबंध बगिड़ सकते हैं जबकि कश्मीर मामले में साथ न देने के लिये पहले से ही सऊदी अरब के साथ उनके संबंधों में एक गतरिोध उत्पन्न हुआ है)।

अब्राहम एकार्ड के बाद हुई प्रमुख प्रगति:

- जून 2021 में अबू धाबी में इज़राइली दूतावास खोला गया जबकि UAE ने भी तेल अवीव में अपना दूतावास खोला है।
- UAE और इज़राइल के बीच व्यापार 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है। अप्रैल 2022 में सरकारी खरीद और [सौद्धिक संपदा अधिकार \(IPR\)](#) से संबंधित मुक्त व्यापार क्षेत्र के लिये भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
- इज़राइल, UAE और जॉर्डन के बीच त्रिपक्षीय व्यापार जल समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इसके तहत, इज़राइल या तो एक नया अलवणीकरण संयंत्र स्थापित करेगा या सदस्य देशों को जल की आपूर्ति करेगा।
- पर्यटन के संबंध में, इज़राइल और UAE के बीच सीधी उड़ान सेवाओं की स्थापना हुई है और समझौते के बाद पहले माह में ही UAE ने 67,000 से अधिक इज़राइली पर्यटकों की मेजबानी की।
- अपने देश की आर्थिक समस्याओं से असंतुष्ट कई इज़राइलियों के लिये संयुक्त अरब अमीरात रोजगार के एक नए गंतव्य के रूप में भी उभरा है।
- इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के बीच संपन्न हुए 'प्रॉस्पेरिटी ग्रीन एंड ब्लू एग्रीमेंट' (Prosperity Green & Blue agreement) के तहत तय किया गया कि एक सोलर फ़्रील्ड की स्थापना के साथ इज़राइल को 600 मेगावाट बजिली की आपूर्ति की जाएगी।

अब्राहम एकार्ड की कमियाँ:

- अरबी आयोजकों के प्रारंभिक लक्ष्य के बावजूद, इज़राइल और उसके अरब भागीदारों के बीच का सहयोग इज़राइल-फलिसितीन समीकरण में कोई ठोस सुधार लाने में वफिल रहा है।
- मध्य-पूर्व के कई प्रमुख हतिधारक अभी भी समझौते से बाहर हैं, जैसे कसिऊदी अरब ने पहले से मौजूद 'अरब शांति पहल' (Arab Peace Initiative) के प्रती अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता बनाए रखी है।
- ओमान और कतर ने इस ढाँचे के भीतर अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने से इनकार कर दिया है।

अब्राहम एकार्ड भारतीय हितों से कैसे संबद्ध हैं?

- राजनयिक गठबंधन:
 - अब्राहम एकार्ड एक ऐसे माहौल का नरिमाण करते हैं जहाँ भारत अरब देशों के साथ-साथ इज़राइल के साथ एकसमान स्तर पर अपने संबंधों को सुदृढ़ कर सकता है।
 - अब्राहम एकार्ड के बाद ही I2U2 जैसे गठबंधन का नरिमाण संभव हो सका। इसे अनौपचारिक रूप से 'पश्चिमी एशियाई क्वाड' (West Asian Quad) और 'इंडो-अब्राहमिक कंस्ट्रक्ट' (Indo-Abrahamic construct) के रूप में भी वर्णित किया गया है।
- नविश के अवसर:
 - यह समूह छह पारस्परिक रूप से चहिनति क्षेत्रों में संयुक्त नविश को प्रोत्साहित करता है, जिसमें खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, परविहन, अंतरिक्ष, जल और ऊर्जा शामिल हैं।
 - हाल ही में दुबई में 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडो-इज़राइल चैंबर ऑफ कॉमर्स' (IFIICC) की स्थापना की गई है।
- प्रौद्योगिकीय सहयोग:
 - भारत की प्रौद्योगिकीय क्षमताएँ, UAE से प्राप्त वित्त और इज़राइल की नवोन्मेष की क्षमताएँ तीनों देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ा सकती हैं।
 - इन उद्यमों में से पहले उद्यम के तहत रोबोटिक सोलर पैनल के लिये एक अमीराती परियोजना को एक इज़राइली कंपनी 'एकोपिया' (Eccopia) द्वारा समर्थन दिया गया है, जिसका वनरिमाण आधार भारत में अवस्थित है।
- प्रवासी संबंध:
 - जीवंत भारतीय प्रवासियों को अब संयुक्त अरब अमीरात और इज़राइल के साथ-साथ इज़राइल और बहरीन के बीच सीधी उड़ानों की सुविधा प्राप्त हुई है।
 - भारतीय छात्रों को यात्रा की आसानी प्राप्त हो रही है; वे हमारे विश्वविद्यालयों तक बेहतर पहुँच और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन कार्यक्रमों का पता लगाने के अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

अब्राहम एकार्ड की राह की चुनौतियाँ:

- फलिसितीन का मुद्दा:
 - फलिसितीन के भविष्य से संबंधित चुनौतियाँ और ईरान एवं कतर की ओर से इन समझौतों का वरिोध एक प्रमुख बाधा है। 86% फलिसितीनियों का मानना है कि संयुक्त अरब अमीरात के साथ सामान्यीकरण समझौता केवल इज़राइल के हितों की पूर्ति करता है, उनके

??????:

प्रश्न. “भारत के इज़रायल के साथ संबंधों ने हाल ही में एक ऐसी गहराई और वविधिता हासलि की है, जसिकी पुनर्वापसी नहीं की जा सकती है।” वविचना कीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/three-years-of-the-abraham-accords>

